प्रभात
छिपाएंगे नहीं, छपेंगे
facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv
प्रभात 76 साल बेमिसाल
www.subhartimedia.com लखनऊ, शनिवार, 06 जून 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित ना प्रसाद होगा, ना ही घंटियों का स्वर -12

जैवविविधता को संरक्षित करने पर रखे विचार

आयोजन

- पर्यावरण दिवस पर स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ में वेबिनार आयोजित

लखनऊ-प्रभात

पृथ्वी पर जीवन की विविधता और परिवर्तनशीलता को जैवविविधता की संज्ञा से जोड़ते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ में वेबिनार आयोजित किया जिसमें एसएमएस कालेज के अलावा लखनऊ के साथ.साथ रायबरेली नॉएडा मेरठ आदि के कई संस्थानों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह निदेशक डॉ मनोज महरोत्रा ने जैवविविधता को संरक्षित करने पर अपने विचार रखे तथा पृथ्वी को बचाने के लिए पेड़ लगाने पर बल दिया। डीन डॉ.धर्मेन्द्र सिंह ने वेबिनार को कोआर्डिनेट किया तथा डा हेमंत कुमार सिंह ने इसका संचालन किया। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ. भरत राज सिंह (वरिष्ठ पर्यावरणविद, महानिदेशक एसएमएस) ने विश्वपर्यावरण दिवस कब से और क्यों मनाया जाता है, इस वेबिनार में भाग लेने वालों को विस्तृत रूप से जानकारी दी तथा यह भी बताया कि पृथ्वी की उत्पत्ति जो लगभग 4.54 अरब वर्ष पूर्व हुई थी उसके काफी वर्षो अर्थात लगभग 4.12 अरब वर्ष बाद जैवविविधता उत्पन्न हुई थी, जिसके सबूत ऑस्ट्रेलिया में खोजे गए 3.48 बिलियन साल पुराने बलुआ पत्थर में माइक्रोबियल मैट जीवाश्म पाए गए हैं।

यद्यपि जैव विविधता पृथ्वी पर समान रूप से वितरित नहीं है, ये उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिकी तंत्रए पृथ्वी की सतह के 10 प्रतिशत से कम को आक्षादित करते हैं, और जिस पर दुनिया की प्रजातियों में लगभग 90 प्रतिशत शामिल हैं जिससे धरती के सभी जीव.जंतु व पेड़-पौधे पर्यावरण को संरक्षित करने में अपना.अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। परन्तु मानव ने अपने रहन.सहन में निरंतर परिवर्तन से जैवविविधता को समाप्त करने में विशेष योगदान दिया है और लगभग एक लाख प्रजातियां विलुप्त होने का सामना कर चुकी हैं। इसके कारण ही कि विश्व में हो रहे अप्रत्याशित आपदाओं से मनुष्य जाति पर विपत्ति आन पड़ी है।